UPSC MAINS · ANSWER PRACTICE

Environment & Ecology · GS - III

भारत में वायु प्रदूषण
नियंत्रण के संदर्भ में पटाखों
के नियमन की आवश्यकता और उससे
जुड़ी चुनौतियों का परीक्षण
कीजिए। पर्यावरण संरक्षण तथा
नागरिकों के स्वास्थ्य के बीच
संतुलन स्थापित करने के उपाय
सुझाइए।

EXAM YEAR

DAILY PRACTICE 30/10/2026

PAPER

GS - III

SUBJECT

Environment & Ecology

MARKS

10

WORD LIMIT

~150 words

Answer Hint
वायु प्रदूषण ; पटाखों का नियमन ; अनुच्छेद 21; पर्यावरण संरक्षण
अधिनियम 1986; वायु अधिनियम 1981; न्यायिक हस्तक्षेप ; राज्य
सरकारों की जवाबदेही ; संतुलित नियमन

Model Answer
परिचय
पटाखों से निकलने वाला धुआँ और सूक्ष्म कण वायु गुणवत्ता को
प्रभावित करते हैं। विशेषकर त्योहारों और सर्दियों के दौरान इनका
प्रभाव श्वसन संबंधी समस्याओं को बढ़ा सकता है। इसलिए पटाखों का
प्रभावी नियमन पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक
है।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

पटाखों के नियमन की आवश्यकता

स्वास्थ्य सुरक्षा : PM2.5 और PM10 जैसे
प्रदूषकों का स्तर बढ़ने से श्वसन एवं
हृदय संबंधी जोखिम बढ़ सकते हैं।
पर्यावरण संरक्षण : पटाखे वायु तथा
ध्वनि प्रदूषण में योगदान देते हैं।
संवैधानिक आधार : अनुच्छेद 21 के
अंतर्गत स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण को
जीवन के अधिकार से जोड़ा गया है।

प्रमुख चुनौतियाँ

प्रतिबंधों और न्यायालयी आदेशों का
कमजोर क्रियान्वयन।
अवैध पटाखों का उत्पादन एवं बिक्री।
विभिन्न राज्यों में निगरानी और
प्रवर्तन क्षमता की असमानता।
आजीविका और धार्मिक -सांस्कृतिक
गतिविधियों से जुड़े हित।

आगे की राह

हरित पटाखों के मानकों का पालन, बिक्री एवं
उपयोग की निगरानी , जन -जागरूकता और उल्लंघन
पर जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए।

निष्कर्ष

प्रभावी प्रदूषण नियंत्रण के लिए केवल
प्रतिबंध पर्याप्त नहीं हैं। वैज्ञानिक
नियमन , सख्त क्रियान्वयन और जनभागीदारी के
माध्यम से पर्यावरण संरक्षण तथा नागरिक
स्वतंत्रताओं के बीच संतुलन स्थापित किया
जा सकता है।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias